मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

BSKE–144

स्नातक कला (ऑनर्स) संस्कृत
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2025

बी.एस.के.ई.-144 : साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक अंकित हैं।

(iii) सभी प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा (हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी) में दिए जाना अनिवार्य है।

खण्ड–I

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

8×10=80

1. साहित्यशास्त्र के उद्‌भव और विकास की विवेचना कीजिए।
2. आचार्य मम्मट का साहित्यशास्त्र में क्या अवदान है ? स्पष्ट कीजिए।

3. काव्यप्रकाश के अनुसार काव्य-प्रयोजन का विश्लेषण कीजिए।
4. काव्य में शक्ति और अभ्यास की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
5. शाब्दी व्यञ्जना पर एक लेख लिखिए।
6. शब्द-शक्ति का अभिप्राय और उसके प्रकारों को उदाहरण सहित लिखिए।
7. काव्यप्रकाश के अनुसार उत्तम काव्य क्या है ? वर्णन कीजिए।
8. आचार्य मम्मट का परिचय देते हुए इनके अनुसार संकेत क्षेत्र का निरूपण कीजिए।
9. काव्यशास्त्र के लिए प्रयुक्त विविध नामों का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड—II

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$4 \times 5 = 20$

(क) आनन्दवर्धन

(ख) विश्वनाथ

(ग) लक्षणा शक्ति

(घ) भामह

(ङ) भरतमुनि

× × × × ×